Govt. Degree College, Bagaha-1

Babasaheb Bhimrao Ambedkar Uni. Muzaffarpur.

B.A. Part - I

Paper - II

Topic

China : Physical Regions, Agriculture, Minerls, Industrial devlopment. Population

Dharmesh nanda
Assistant Professor (Guest)
Geography department

Date
08/04/2021

China: Physical Regions, Agriculture, minerls, Industrial development, Population

Paper - II, B.A. - I Part

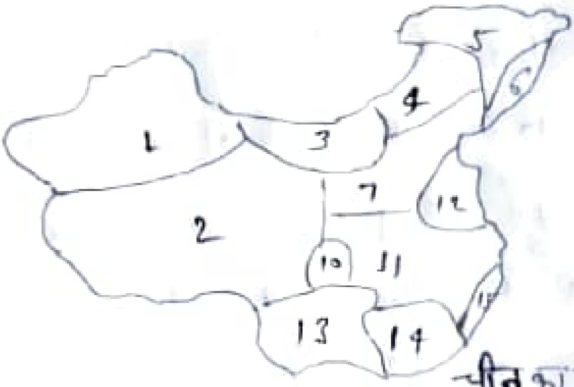

चीन का मानचित्र

1. सीक्यांग प्रदेश
2. तिब्बत का पठार
3. आंतरिक मंगोलिया
4. खिंगन एवं लियाओतिंग पर्वतीय प्रदेश
5. मंचूरिया का मैदान
6. पूर्वी मंचूरियाई प्रदेश
7. लोएस प्रदेश
8. उत्तर चीन का प्रदेश
9. शांतुंग प्रायद्वीप
10. लाल बेसिन
11. यांग्सी का उत्तरी एवं दक्षिणी उच्च भूमि
12. निम्न यांग्सी कियांग प्रदेश
13. दक्षिण पश्चिम उच्च भूमि
14. सिकियांग प्रदेश
15. दक्षिण पूर्वी तटवर्ती प्रदेश

— चीन का क्षेत्रफल लगभग संपूर्ण यूरोप के क्षेत्रफल के बराबर है। साम्राज्य विस्तार की नीति के कारण चीन को एशिया का अजगर (Dragon of Asia) कहा जाता है। चीन 18°N अक्षांश से लेकर 53°N अक्षांश तक 74°E देशांतर से लेकर 134° देशांतर के मध्य स्थित है।

चीन एक पर्वतीय एवं पठारी प्रदेश है। इस देश की 47 प्रतिशत भूभाग पर पर्वत, 41 प्रतिशत पर पठार एवं 12 प्रतिशत पर मैदान का फैलाव है। कुनलुन एवं अल्टाई टांग के बीच त्साइडाम (Tsidam) बेसिन नामक पठार विस्तृत है। इसे काडोनार का पठार भी कहते हैं। यहां पर चीन के महत्वपूर्ण आणविक शोध कार्यक्रम क्रियान्वित किये जाते रहे हैं।

चीन के उत्तरी भाग में तिएनशान, महान खिंगन एवं लघु खिंगन पर्वत श्रेणी फैली हुई है। इनमें से तिएनशान सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। तिएनशान पर्वत विख्यात जुंगेरिया द्वार के निकट से पूर्व की ओर फैले हुए हैं, एवं तारीम बेसिन व जुंगेरिया द्वार के बेसिन की सीमा बनाते हैं। अल्टाइनटांग एवं थ्यान शान पर्वतों के मध्य विख्यात तारीम बेसिन स्थित है। शान पर्वत के मध्य से पूर्व की ओर अल्टाई पर्वत फैले हुए हैं। इस प्रकार थ्यान शान, शान एवं अल्टाई पर्वत ~~फैले हुए हैं। इ~~ के मध्य जुंगेरिया का आयताकार बेसिन स्थित शिखर है।

चीन के मध्यवर्ती भाग में पूर्व से पश्चिम दिशा में पामीर की गांठ से निकलकर कुनलुनशान, अल्टाइनटांग, नानशान एवं सिनलिंगशान पर्वत श्रेणियां फैली हुई हैं। इस देश के दक्षिणी भाग में नानलिंगशान पर्वत श्रेणी फैली हुई है।

उत्तरी चीन में गोबी एवं लोएस का पठार स्थित है। चीन के उत्तर-पश्चिम भाग में विस्तृत लोएस के पठार का निर्माण गोबी के मरुस्थल से उड़ा कर लाए गए धूल कणों के निक्षेपण से हुआ है। इस पठार पर रेतीली पीली मिट्टी पाई जाती है। यह पठार अनेक स्थानों पर कट गया है। चीन में स्थित तिब्बत का पठार विश्व का सबसे ऊंचा पठार है।

ह्वांगहो चीन की सबसे विशाल नदी है जो उत्तरी चीन में बहती है। इस नदी की लम्बाई 4845 कि.मी. है। इस नदी का बेसिन चीन की कुल भूमि के लगभग 80 प्रतिशत भाग पर फैला हुआ है।

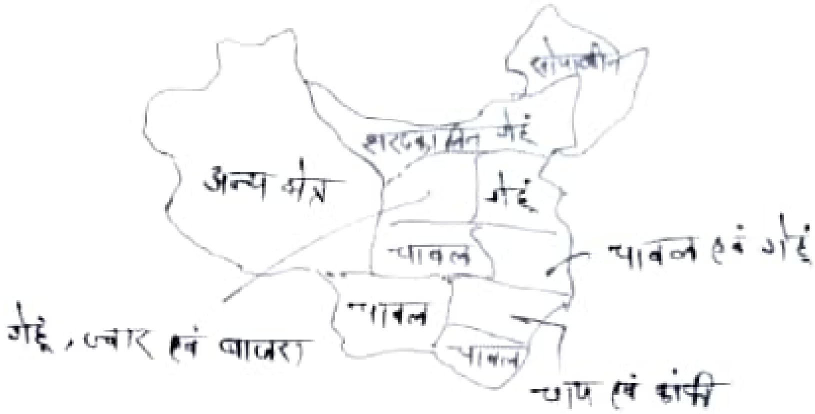

चीन का कृषि क्षेत्र

यह नदी कुनलुन पर्वत की त्सारिंग-नौर (Tsaring Nor) एवं ओरिंग-नौर (oring Nor) झीलों से निकलकर चीन सागर की पीहला खाड़ी में गिरती है। वीहो इसकी सबसे बड़ी सहायक नदी है।

ह्वांगहो नदी लोएस के पठार से बहने के कारण पीली मिट्टी को अपने साथ बहाकर लाती है। अतः इसे पीली नदी भी कहा जाता है। समतल मैदान में बहने के कारण यह नदी अक्सर मार्ग परिवर्तन करती है। इस नदी में अधिक बाढ़ आती है। अतः इस नदी को चीन का शोक कहा जाता है।

ह्वांगहो के मैदान में चीन की कुल कृषि योग्य भूमि का 40 प्रतिशत एवं कुल आबादी का 30 प्रतिशत भाग मिलता है। यांगटिसीक्यांग नदी चीन के मध्य भाग में प्रवाहित होती है। इस नदी की लम्बाई 5557 कि.मी. है। यह तिब्बत के पठार के तंगला श्रेणी से निकलकर चीन सागर में गिरती है।